

# Psa

## Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

|                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |   |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|---|
| עָמַד                 | לֹא                   | חַטָּאִים             | וּבְדַרְךָ            | רְשָׁעִים             | בְּעֵצָת              | הָלַךְ                | לֹא                   | וְאֲשֶׁר              | הָאִישׁ               | אֲשֶׁר־               | 1 |
| खड़ा-हीता             | न                     | पापियों-के            | और-में-मार्ग          | दुष्टों-की            | में-सम्मति            | चलता                  | नहीं                  | जो                    | वह-पुरुष              | धन्य                  |   |
| <a href="#">H5975</a> | <a href="#">H3808</a> | <a href="#">H2400</a> | <a href="#">H1870</a> | <a href="#">H7563</a> | <a href="#">H6098</a> | <a href="#">H1980</a> | <a href="#">H3808</a> |                       | <a href="#">H0376</a> | <a href="#">H0835</a> |   |
|                       |                       |                       |                       |                       |                       | יָשָׁב:               | לֹא                   | לְצִים                | וּבְמוֹשָׁב           |                       |   |
|                       |                       |                       |                       |                       |                       | बैठता                 | न                     | ठग्या-करनेवालों-की    | और-में-बैठक           |                       |   |
|                       |                       |                       |                       |                       |                       | <a href="#">H3427</a> | <a href="#">H3808</a> | <a href="#">H3887</a> | <a href="#">H4186</a> |                       |   |

सचमुच वह जन धन्य होगा यदि वह दुष्टों की सलाह को न माने, और यदि वह किसी पापी के जैसा जीवन न जीए और यदि वह उन लोगों की संगति न करे जो परमेश्वर की राह पर नहीं चलते।

|                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |        |         |   |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|--------|---------|---|
| וּלְיָמָּה:           | יּוֹמָם               | וְהַיָּהּ             | וּבְתוֹרָתוֹ          | חֲפִצּוֹ              | וְהוֹהָ               | בְּתוֹרַת             | אִם    | כִּי    | 2 |
| और-रात                | दिन                   | वह-ध्यान-करता-है      | और-उसकी-व्यवस्था-में  | उसकी-प्रसन्नता        | यहोवा-की              | में-व्यवस्था          | परन्तु | क्योंकि |   |
| <a href="#">H3915</a> | <a href="#">H3119</a> | <a href="#">H1897</a> | <a href="#">H8451</a> | <a href="#">H2656</a> | <a href="#">H3068</a> | <a href="#">H8451</a> |        |         |   |

वह नेक मनुष्य है जो यहोवा के उपदेशों से प्रीति रखता है। वह तो रात दिन उन उपदेशों का मनन करता है।

|                       |                       |                       |             |                       |                       |                       |                       |                       |                       |   |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|---|
| בְּעֵתוֹ              | יָתֵן                 | וּפְרִיּוֹ            | אֲשֶׁר      | מֵי                   | פְּלִיּוֹ             | עַל-                  | שָׁתוּל               | כְּעֵץ                | וְהָיָה               | 3 |
| अपनी-ऋतु-में          | देता-है               | अपना-फल               | जो          | जल-के                 | नालों                 | पर                    | लगाया-हुआ             | जैसे-वृक्ष            | और-वह-होगा            |   |
| <a href="#">H6256</a> | <a href="#">H5414</a> | <a href="#">H6529</a> |             | <a href="#">H4325</a> | <a href="#">H6388</a> |                       | <a href="#">H8362</a> | <a href="#">H6086</a> | <a href="#">H1961</a> |   |
|                       |                       |                       | יִצְלַח:    | יַעֲשֶׂה              | אֲשֶׁר-               | וְכֹל                 | יִבּוֹל               | לֹא-                  | וְעַלְהוֹ             |   |
|                       |                       |                       | सफल-होता-है | वह-करता-है            | भी                    | और-जो-कुछ             | मुरझाते               | नहीं                  | और-जिसके-पत्ते        |   |
|                       |                       |                       |             |                       |                       | <a href="#">H3605</a> |                       | <a href="#">H3808</a> | <a href="#">H5929</a> |   |

इससे वह मनुष्य उस वृक्ष जैसा सुदृढ़ बनता है जिसको जलधार के किनारे रोपा गया है। वह उस वृक्ष समान है, जो उचित समय में फलता और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। वह जो भी करता है सफल ही होता है।

|                       |                       |         |                       |      |        |                       |      |                       |   |
|-----------------------|-----------------------|---------|-----------------------|------|--------|-----------------------|------|-----------------------|---|
| וְרוּחַ:              | תִּדְפְּנוּ           | אֲשֶׁר- | כְּמוֹץ               | אִם- | כִּי   | הָרְשָׁעִים           | כִּן | לֹא-                  | 4 |
| वायु                  | उड़ा-ले-जाती-है       | जिसे    | जैसे-भूसी             | वरन  | परन्तु | वे-दुष्ट              | ऐसे  | नहीं                  |   |
| <a href="#">H7307</a> | <a href="#">H5086</a> |         | <a href="#">H4671</a> |      |        | <a href="#">H7563</a> |      | <a href="#">H3808</a> |   |

किन्तु दुष्ट जन ऐसे नहीं होते। दुष्ट जन उस भूसी के समान होते हैं जिन्हें पवन का झोका उड़ा ले जाता है।

|                       |                       |                       |                       |                       |             |                       |         |       |   |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-------------|-----------------------|---------|-------|---|
| צְדִיקִים:            | בְּעֵרַת              | חַטָּאִים             | בְּמוֹשָׁפֵט          | רְשָׁעִים             | יִקְמוּ     | לֹא-                  | וְכִן   | עַל-  | 5 |
| धर्मियों-की           | में-सभा               | न-पापी                | न्याय-में             | दुष्ट                 | खड़े-रहेंगे | नहीं                  | इस-कारण | इसलिए |   |
| <a href="#">H6662</a> | <a href="#">H5712</a> | <a href="#">H2400</a> | <a href="#">H4941</a> | <a href="#">H7563</a> |             | <a href="#">H3808</a> |         |       |   |

इसलिए दुष्ट जन न्याय का सामना नहीं कर पायेंगे। सज्जनों की सभा में वे दोषी ठहरेंगे और उन पापियों को छोड़ा नहीं जायेगा।

|                       |                       |                       |                       |                       |                       |                       |         |   |
|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|---------|---|
| תֹּאבֵד:              | רְשָׁעִים             | וְדַרְךָ              | צְדִיקִים             | דַּרְךָ               | וְהוֹהָ               | יִוָּדַע              | כִּי-   | 6 |
| नष्ट-होगा             | दुष्टों-का            | परन्तु-मार्ग          | धर्मियों-का           | मार्ग                 | यहोवा                 | जानता-है              | क्योंकि |   |
| <a href="#">H0006</a> | <a href="#">H7563</a> | <a href="#">H1870</a> | <a href="#">H6662</a> | <a href="#">H1870</a> | <a href="#">H3068</a> | <a href="#">H3045</a> |         |   |

ऐसा भला क्यों होगा क्योंकि यहोवा सज्जनों की रक्षा करता है और वह दुर्जनों का विनाश करता है।